मैं ब्लीस आनन्द से आया हूँ

देश हमारा भारत है, परचम जिसका लहराता हूँ
मैं ब्लीस आनन्द से आया हूँ और सेफ्टी वाल्व बनाता हूँ

दिल्ली, गुड़गांव से जाता हुआ, हाइवे जयपुर वाला है
बावल सेक्टर तीन में ही, अपना यह प्लांट निराला है
है दूर से दिखता दाईं तरफ, सारी लोकेशन समझाता हूं
मैं ब्लीस आनन्द से आया हूँ और सेफ्टी वाल्व बनाता हूँ

सागर आनन्द की छाया में, निर्भय हम सदा विचरते हैं
स्पेयर से लेकर हम, असेम्बली सारी करते हैं
क्वालिटी सिस्टम के बल पर, सारा उत्पादन लाता हूँ
मैं ब्लीस आनन्द से आया हूँ, और सेफ्टी वाल्व बनाता हूँ

वर्कर से अधिकारी तक, शामिल इसमें सारे हैं
जो भी हमें जरूरत है, सभी साधन पास हमारे हैं
सारे स्टैंडर्ड मानक पर, मैं टेस्टिंग भी करवाता हूँ
मैं ब्लीस आनन्द से आया हूँ, और सेफ्टी वाल्व बनाता हूँ

पूरे प्लांट के चारों तरफ, फैली हुई हरियाली है
खिलते हुए सुन्दर फूलों की, अपनी ही शान निराली है
हर सेफ्टी कायम रखते हुए, प्रदूषण न कोई फैलाता हूं
मैं ब्लीस आनन्द से आया हूँ, और सेफ्टी वाल्व बनाता हूँ

राम सिंगार